web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union, Govt. Registered

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 10 दिसंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 73

जज नियुक्ति के लिए होने वाली कॉलेजियम बैठक की जानकारी सार्वजनिक नहीं करेगा सुको, याचिका खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने आरटीआई के तहत एक कॉलेजियम बैठक के विवरण का खुलासा करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। याचिका में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत 12 दिसंबर, 2018 को हुई सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक का विवरण मांगा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम की बैठक में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया। मीडिया में आई खबरों या कॉलेजियम के सदस्य रहे पूर्व जज के इंटरव्यू के आधार पर आरटीआई के तहत खुलासा नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक फाइनल सिफारिश को सार्वजनिक किया जाता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की बैठक के एजेंडे, ब्योरे और प्रस्ताव की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा गया।

आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें आरटीआई कानून के तहत 12 दिसंबर, 2018 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक के एजेंडे, ब्योरे और प्रस्ताव की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। दो दिसंबर को जजों की नियुक्ति को लेकर कॉलेजियम के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि जो सिस्टम काम कर रहा है, उसे पटरी से न उतरने दें। कॉलेजियम को अपना काम करने दें। हम सबसे पारदर्शी संस्थान हैं। कॉलेजियम के पूर्व सदस्यों का अब फैसलों पर टिप्पणी करना फैशन हो गया है। जस्टिस एम आर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने ये टिप्पणी करते हुए आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दरअसल पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की आत्मकथा 'जस्टिस फॉर द जज' के अनुसार, राजस्थान हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस प्रदीप नंदराजोग और दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेंद्र मेनन के नाम, 12 दिसंबर, 2018 को कॉलेजियम की बैठक में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति के लिए मंज़ूरी मिली थी।

किताब में कहा गया है कि यह मामला कथित रूप से लीक हो गया था, जिसके बाद 15 दिसंबर, 2018 को शुरू हुए शीतकालीन अवकाश के कारण इस मुद्दे को सीजेआई गोगोई ने जनवरी 2019 तक के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जनवरी 2019 में जस्टिस मदन बी लोकुर की सेवानिवृत्ति के बाद एक नए कॉलेजियम का गठन किया गया। किताब के मुताबिक नए कॉलेजियम ने 10 जनवरी, 2019 को अपने प्रस्ताव में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति के लिए जस्टिस नंदराजोग और जस्टिस मेनन के नामों को मंज़ूरी नहीं दी थी।

महत्वपूर्ण एवं खास

बिहार में 18 किलो चरस के साथ महिला सहित 3 तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी (आरएनएस)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिला के छतौनी बस अड्डे से पुलिस ने 18 किलोग्राम चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में एक महिला भी है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप मोतिहारी आ रही है। इसी सूचना के आधार पर सदर डीएसपी के नेतृत्व में छतौनी थाना क्षेत्र के बस स्टैंड की निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान दो युवक और एक महिला की गतिविधि संदिग्ध दिखाई दी। पुलिस ने तत्काल तीनों को पकड़ लिया और उनके बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में बैग से 18 किलोग्राम चरस बरामद किया गया, जो छोटे-छोटे पैकेट में रखे गए थे। उन्होंने बताया कि तस्करों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि मादक पदार्थों की यह खेप नेपाल से लाई जा रही थी जिसे दिल्ली ले जाना था। मादक पदार्थों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चार करोड़ रुपए आंकी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस तस्करों की नेपाल और दिल्ली से लिंक तलाश रही है। उन्होंने कहा तस्करों से पूछताछ की जा रही है तथा पुलिस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आफताब अमीन पूनावाला की न्यायिक हिरासत और 14 दिनों के लिए बढ़ी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट से कहा कि श्रद्धा वाल्कर हत्या मामले की जांच चल रही है जिसके बाद साकेत कोर्ट ने शुक्रवार को आफताब अमीन पूनावाला की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। पूनावाला वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है। उसने 18 मई को अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या कर दी थी और फिर उसके शरीर के 35 टुकड़े कर दिए थे। 26 नवंबर को उसे अदालत ने 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। 2 दिसंबर को पूनावाला का नार्को टेस्ट हुआ था, जो फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों द्वारा जेल के अंदर आयोजित किया गया। अदालत में पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट दोनों के निष्कर्ष स्वीकार्य नहीं हैं। ये परीक्षण केवल दिल्ली पुलिस को सबूत इकट्ठा करने में मदद करेंगे और इस तरह दोषी के खिलाफ मुकदमा चलाने की संभावना बढ़ जाएगी।

मवेशी घोटाला - अनुब्रत मंडल की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए और बढ़ी

कोलकाता (आरएनएस)। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी घोटाले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता और पार्टी के बीरभूम जिला अध्यक्ष अनुब्रत मंडल की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। उन्हें 22 दिसंबर को फिर से उसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत में पेश किया जाएगा। शुक्रवार को मंडल के वकील ने आश्चर्यजनक रूप से मुवक्किल की ओर से कोई जमानत याचिका दायर नहीं की। सीबीआई के जांच अधिकारी सुशांत भट्टाचार्य ने इस मामले में एजेंसी की केस डायरी कोर्ट को सौंपी। विशेष अदालत के न्यायाधीश राजेश चक्रवर्ती ने केस डायरी पढने के बाद इसके कंटेंट पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि एक न्यायाधीश के रूप में अपने 20 साल के करियर में उन्होंने कभी इस तरह की बात नहीं देखी।

खतरनाक हुआ चक्रवात 'मैंडूस', अगले तीन दिन रहेंगे भारी- रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। चक्रवाती तूफान मैंडूस अब खतरनाक रूप लेता नजर आ रहा है और कई राज्यों पर इसका असर दिखाई देने लगा है। इसी के मद्देनजर तमिलनाडु के तीन जिलों में रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। अलर्ट पर रहने वाले जिलों में चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम और कांचीपुरम शामिल हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर मानसून के सभी पांच उपमंडलों में आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी, स्काईमेट के मुताबिक, ये बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम के कारण है, जो तेजी से तीव्र होता गया है और एक चक्रवाती तूफान, मैंडूस बन गया है। बारिश तमिलनाडु के सभी पांच उप मंडलों और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों को प्रभावित करेगी जिसमें पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और रायलसीमा शामिल हैं। वहीं, ये सिस्टम आज तट के करीब जा पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज इसके कमजोर पड़ने की संभावना है, हालांकि इससे पहले ये तूफान उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा और फिर महाबलीपुरम में लैंड करेगा।

जिससे तमिलनाडु में बारिश जारी रहेगी और आज कराईकल, पुडुचेरी और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में फैल जाएगी। इन क्षेत्रों में 9 दिसंबर को बारिश जारी रहेगी, लेकिन रायलसीमा में भी बारिश देखी जाएगी। 10 दिसंबर को भी यहां बारिश जारी रहेगी और केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में शुरू होगी। 11 और 12 दिसंबर को भी पांचों अनुमंडलों में झमाझम बारिश होगी। यह तब होगा जब सिस्टम पहले से ही गहरे अंतर्देशीय में चला गया होगा और अरब सागर को पार करने के कगार पर होगा, बारिश का फैलाव पूरे दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में होगा।

नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज-2022 प्रतियोगिता में जयपुर की अशीरा विश्वास का चयन

जयपुर (आरएनएस)। नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज-2022 प्रतियोगिता में जयपुर की सुश्री अशीरा विश्वास का चयन किया गया है। सुश्री विश्वास अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसडीआरएफ सुष्मित विश्वास की सुपुत्री है।

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार का शनिवार को नार्वे की राजधानी ओस्लो में ऐलान किया जाएगा। नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज-2022 प्रतियोगिता में विजेता घोषित होने पर सुश्री विश्वास को भी इस समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

नोबेल पीस सेंटर में द इग्निटर इनिशिएटिव के प्रोजेक्ट मैनेजर ने सुश्री अशीरा को नोबेल शांति पुरस्कार चुनौती के निबंध श्रेणी में फाइनलिस्ट के रूप में घोषित होने पर बधाई दी और उन्हें शनिवार 10 दिसंबर को ओस्लो में आयोजित नोबेल शांति पुरस्कार समारोह से संबंधित प्रमुख गतिविधियों में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है। इस दौरान सुश्री विश्वास को ओस्लो शहर के ग्रैंड होटल में नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ ही ठहरने का स्वर्णिम अवसर मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि नोबेल शांति केंद्र द्वारा विश्व स्तर पर विद्यार्थियों को शांति पुरस्कार में शामिल करने के उद्देश्य से नोबेल शांति पुरस्कार चैलेंज प्रतियोगिता आयोजित की जाती है । निबंध या फोटोग्राफी श्रेणियों में से किसी एक विषय पर विश्वभर के विद्यार्थी भाग लेते है। इस वर्ष का विषय शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, बंधुत्व और मानव अधिकारियों की सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालना था। सुश्री अशीरा विश्वास को इस महत्वपूर्ण विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार के लिये चुना गया है। यह पुरस्कार जीतने वाली सुश्री अशीरा संभवत: देश की पहली विजेता है।

गोली मारी फिर कुल्हाड़ी से शव के किए 16 टुकड़े, रिश्तेदारों ने बोरे में भर हिस्ट्रीशीटर का फेंका शव

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बांदा में उस समय हडक़ंप मच गया जब एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि यह वारदात उसकी पत्नी के रिश्तेदारों ने ही अंजाम दिया है। आरोपियों ने हत्या के बाद हिस्ट्रीशीटर के शव को जंगल में ले जाकर 16 टुकड़े किए और फिर बोरे में भरकर फेंक दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह वारदात केपलानी थाना क्षेत्र के चंदवारा गांव का है।

पुलिस के मुताबिक हिस्ट्रीशीटर बदमाश लोहा सिंह ने प्रेम विवाह किया था। हालांकि इस शादी के बाद अक्सर उसके पत्नी के साथ झगड़े होने लगे। इन झगड़ों का उसकी पत्नी के मौसेरे भाइयों ने विरोध भी किया। बावजूद इसके लोहा सिंह नहीं माना। ऐसे में मौसेरे भाइयों ने पहले तो उसे गोली मार दी और गंभीर हालत में घसीटते हुए जंगल में ले गए, जहां कुल्हाड़ी से उसके 16 टुकड़े कर दिए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इतने समय में आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। फिलहाल पुलिस ने लोहा सिंह का शव और वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एसपी बांदा अभिनंदन सिंह ने बताया कि पुलिस को हिस्ट्रीशीटर बदमाश लोहा सिंह का शव सडक़ के किनारे मिला है। उन्होंने बताया कि लोहा सिंह की पत्नी के साथ आए दिन लड़ाई झगड़े और मारपीट होती रहती थी। गुरुवार को उसकी पत्नी के परिजनों से भी विवाद हुआ जिसके बाद पत्नी के रिश्तेदारों ने उसकी हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए पांच टीमों का गठन किया है। यह सभी टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर संभावित स्थानों पर दबिश तेज कर दी है।

इस घटना को लेकर गांव में माहौल खराब होने की आशंका को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। एसपी अभिनंदन सिंह के मुताबिक फिलहाल चंदवारा गांव और पलानी क्षेत्र में कानून व्यवस्था की कोई समस्या नही है। इलाके में शांति कायम है। उन्होंने बताया कि एहतियातन गांव में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

जाने वाली थी बारात, तभी लगातार फटे सिलेंडर- 5 लोगों की दर्दनाक मौत

जोधपुर (आरएनएस)। जोधपुर जिले में शादी समारोह में पांच गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दूल्हे और उसके माता-पिता सहित कई लोग झुलस गए। वहीं, 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 3 बच्चे और 2 महिलाएं शामिल हैं। तकरीबन 42 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। वहीं, सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत जोधपुर अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, 35 से ज्यादा लोग 60 फीसदी और 11 लोग 80 से 90 फीसदी झुलस गए।

दरअसल, शादी समारोह के दौरान अचानक गैस का सिलेंडर फट गया, जिसके बाद में घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई है। टेंट में मौजूद लोग आग की लपटों में घिर गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

ये घटना जिले के शेरगढ़ में भूंगरा गांव की है। वहीं,घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने आसपास के टैंकरों से आग को बुझाने की कोशिश की गई। साथ ही घटनास्थल पर फायर बिग्रेड की गाडियां मौके पर पहुंची है। जिलाधिकारी हिमांशु गुप्ता के अनुसार इस हादसे में पांच लोगों की झुलसने से मौत हो गई, तीन बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं । बताया जा रहा है कि कुछ लोग गंभीर रूप से भी झुलसे हैं। सिलेंडर फटने से घर की छतें भी गिर गई। फिलहाल गंभीर घायलों का इलाज जारी है। साथ ही पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शेरगढ़ के भूंगरा गांव के रहने वाले सगत सिंह गोगादेव के बेटे की गुरुवार यानि कि आज शादी का कार्यक्रम था। जहां दोपहर को बारात रवाना होनी थी, उससे पहले सभी शादी के पंडाल में एकत्र थे। इस दौरान हलवाइयों के पास लगे सिलेंडर में अचानक विस्फोट हुआ। कुल पांच सिलेंडर फटने की जानकारी आई है। इससे मौके पर भगदड़ मच गई, जिसमें कई लोग जो भोजन कर रहे थे वे पांडाल में आग लगने से झूलस गए।

इनमें सगतसिंह और उसका दूल्हा बेटा भी शामिल है। बताया जा रहा है कि कुछ लोग गंभीर रूप से भी झुलसे हैं। सिलेंडर फटने से घर की छतें भी गिर गई। फिलहाल गंभीर घायलों का इलाज जारी है। वहीं, पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है।

इस घटना का संज्ञान लेते हुए सूबे के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि जोधपुर में विवाह कार्यक्रम में आग लगने की घटना को लेकर जिला कलेक्टर से बातचीत कर निर्देश दिए हैं। इस दौरान सभी घायलों को समुचित इलाज के लिए सुनिश्चित किया जाएगा।

मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। सीएम गहलोत ने जोधपुर के कलेक्टर किसी भी प्रकार की लापरलाही नहीं बरतने के निर्देश दिए है। इस घटना को लेकर जोधपुर जिला कलेक्टर और एसपी ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों का हालचाल ले रहे हैं।

खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय युवा कल्याण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार देश में खेलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ खिलाडिय़ों को तमाम तरह की सुविधाएँ मुहैया करने और खेल इंफ्रास्ट्राक्चर को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में नियम 193 के तहत भारत में खेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर हुई लंबी चर्चा का जवाब देते हुए आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद खेल एवं खिलाडिय़ों को निरंतर संरक्षण एवं प्रोत्साहन दिया गया है। खेलों के लिए धन का आवंटन बढ़ा है। खेल सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत स्तर पर खिलाडिय़ों की चिंता की। जिसका परिणाम विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में हमारे देश के प्रभावशाली प्रदर्शन से प्रदर्शित होता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाडिय़ों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की जा रही है। यहां तक कि खिलाडिय़ों को सालाना पॉकेट मनी भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि देश में हर साल 23 सौ खिलाडिय़ों को छह लाख रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत देश में 1000 केंद्र बनाए जा रहे हैं। अगले साल अगस्त तक सभी खेलो इंडिया केंद्र बनकर तैयार हो जाएँगे। ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने खेलों में बुनियादी ढांचा विकसित करने के अलावा खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति की है ।

अमेरिका ने माना, खुद सुपरपावर बनेगा भारत

वॉशिंगटन । दुनिया में भारत का कद लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका लगातार इस फैक्ट को स्वीकार कर रहा है। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत अमेरिका का सहयोगी नहीं बनेगा, बल्कि खुद एक सुपरपावर बनेगा। एस्पेन सिक्योरिटी फोरम की बैठक के दौरान भारत को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए व्हाइट हाउस एशिया समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने कहा कि उनके विचार में भारत 21वीं सदी में संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध वाला देश है।

उन्होंने कहा कि मैं किसी भी द्विपक्षीय संबंध के बारे में नहीं जानता जो पिछले 20 वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की तुलना में अधिक गहरा और मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को इस दिशा में अपनी क्षमता का और भी अधिक निवेश करने की जरूरत है। साथ ही प्रौद्योगिकी और अन्य मुद्दों पर एक साथ काम करते हुए दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध बनाने की जरूरत है।

कैंपबेल ने कहा कि भारत का एक अद्वितीय रणनीतिक चरित्र है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सहयोगी नहीं होगा। इसकी एक स्वतंत्र शक्तिशाली देश बनने की इच्छा है। यह एक और सुपरपावर होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों की नौकरशाही में कई अवरोध और कई चुनौतियां हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत-अमेरिका संबंध केवल चीन को लेकर चिंता के कारण नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के समाजों के बीच तालमेल के महत्व की गहरी समझ है।

वैज्ञानिकों ने तोड़ा रिकॉर्ड : ढूंढ निकाला 20 लाख साल पुराना डीएनए; ध्रुवीय क्षेत्रों में मौजूद थे पेड़-पौधे और जीव-जंतु

लंदन । वैज्ञानिकों ने पहली बार बीस लाख साल पुराने डीएनए का पता लगाया है। इस खोज ने दुनिया की सबसे पुरानी डीएनए खोज का दस लाख साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दरअसल, उत्तरी ग्रीनलैंड में हिमयुग तलछट में पर्यावरणीय डीएनए के सूक्ष्म टुकड़े पाए गए। अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि टुकड़े साइबेरियाई विशाल हड्डी से लिए गए डीएनए के पिछले रिकॉर्ड की तुलना में एक मिलियन वर्ष पुराने हैं।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय में सेंट जॉन्स कॉलेज के प्रोफेसर एस्के विलर्सलेव और कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में लुंडबेक फाउंडेशन जियोजेनेटिक्स सेंटर के भूविज्ञान विशेषज्ञ कर्ट एच. केजेर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। टीम को उम्मीद है कि परिणाम आज के ग्लोबल वार्मिंग के लॉन्ग टर्म पर्यावरणीय टोल से संबंधित मदद कर सकते हैं।

विलर्सलेव ने नेचर में प्रकाशित एक पेपर में कहा, इतिहास के दस लाख अतिरिक्त वर्षों का एक नया अध्याय खोला गया है और हम अतीत के पारिस्थितिकी तंत्र के डीएनए को सीधे देख सकते हैं। डीएनए जल्दी से खराब हो सकता है लेकिन हमने दिखाया है कि सही परिस्थितियों में, हम समय में और पीछे जा सकते हैं, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

पुरातन डीएनए के नमूने तलछट में दबे हुए पाए गए थे, जो 20,000 वर्षों की अवधि में बने थे। उस समय ग्रीनलैंड में जलवायु आर्कटिक और नरम के बीच भिन्न थी और आज ग्रीनलैंड की तुलना में 10-17 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म थी।

वैज्ञानिकों ने जानवरों, पौधों और सूक्ष्मजीवों के साक्ष्य की खोज की जिसमें हिरन, खरगोश, नींबू पानी, सन्टी और चिनार के पेड़ शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि मास्टोडन, एक हिमयुग स्तनपायी, बाद में विलुप्त होने से पहले ग्रीनलैंड तक घूमा करता था। दो मिलियन वर्ष पुराने नमूने भी शिक्षाविदों को आज भी अस्तित्व में कई प्रजातियों के डीएनए की तस्वीर बनाने में मदद करते हैं।